वैश्वकि नवाचार सूचकांक

//

वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) 2023

वैश्विक नवाचार सूचकांक किसी अर्थव्यवस्था के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के प्रदर्शन का आकलन करने के लिये एक प्रमुख उपाय है।

जारीकर्ता:

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)

GII बिना किसी आधार वर्ष के प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है।

संकेतक:

- संस्थान
- मानव पूंजी और अनुसंधान
- आधारभूत अवसंरचना
- बाज़ार परिष्कार
- व्यावसायिक परिष्कार
- ज्ञान और प्रौद्योगिकी आउटपुट
- आउटपुट सृजन

नवाचार चक्र में 4 प्रमुख चरण:

- विज्ञान तथा नवाचार निवेश
- तकनीकी/प्रौद्योगिक प्रगति
- प्रौद्योगिकी स्वीकरण
- सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

शीर्ष 5 देश:

- स्विट्ज़रलैंड, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन तथा सिंगापुर

अंतिम 5 देश:

- गिनी, माली, बुरुंडी, नाइजर तथा अंगोला

भारत का स्थान:

- 40वाँ (GII 2022 के समान)
- 40वाँ (GII 2022 के समान)

GII 2023 में भारत का प्रदर्शन

- भारत 13 वर्षों से "इनोवेशन अचीवर" रहा है
- **रैंक:**
  - 37 निम्न-मध्यम आय वाले देशों तथा मध्य एवं दक्षिण एशिया में प्रथम स्थान।
  - 5.04% सकल घरेलू उत्पाद के साथ 9वें स्थान पर।
  - घरेलू उद्योग विविधीकरण में 10वाँ स्थान।
  - विज्ञान तथा इंजीनियरिंग में 34% तृतीयक स्नातकों के साथ विश्व स्तर पर 11वें स्थान पर
  - इनोवेशन आउटपुट में 35वाँ स्थान।
- **सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्र:**
  - आधारभूत अवसंरचना (84वाँ स्थान)
  - व्यावसायिक परिष्कार (57वाँ स्थान)
  - संस्थागत सुधार (56वाँ स्थान)

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-innovation-index-6